दैनिक भास्कर

18/10/16

विज्ञान जीवन का अभिन्न अंग:नकवी

मालपुरा. राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के शुभारंभ समारोह में प्रमुख वैज्ञानिक अविकानगर निदेशक डॉ. एसएमके नकवी ने विज्ञान के महत्व बताए।

मालपुरा। शिक्षाविभाग की ओर से सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया । प्रदर्शनी में जिले भर से स्कूलों के विज्ञान संकाय के छात्र छात्राओं ने भाग लिया । विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए प्रदेश के प्रमुख वैज्ञानिक अविकानगर संस्थान के निदेशक डॉ. एस एम के नकवी ने कहा कि विज्ञान जीवन का अभिन्न अंग है । जीवन में मनुष्य की हरएक क्रियाओं व खान पान रहन सहन सहित तमाम उन चीजों में विज्ञान है जो रोजाना जीवन में खास है । उन्होंने बताया कि किसी भी क्षेत्र की सफलता के पीछे क्या क्यों व कैसे तथा इससे आगे कुछ किए जाने की उत्कृष्ठता ही विज्ञान को जन्म देती है । उन्होंने अपने जीवन के महव्पूर्ण पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि विज्ञान ही जिससे आज बडे बडे आविस्कार के माध्यम से लोगों को महत्वपूर्ण सुविधाएं दी है । संचार , शिक्षा , चिकित्सा व यातायात , जल सरंक्षण , कृषि उत्पादों में वृद्धी में विज्ञान का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है । पशु पालन के क्षेत्र में भी उन्होंने वैज्ञानिक खोज से हुए विकास की चर्चा की । समारोह के मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष सपना टेमाणी व विशिष्ठ अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी रमेश चंद जैन ने भी इस अवसर पर छात्रों को संबोधित किया । शाला प्रधान प्रदर्शनी संयोजक गिरधर सिंह ने कहा कि जब से विज्ञान शुरू हुआ भारत विकास की राह पर दौडने लगा । उन्होंने विज्ञान से जुडे कई संस्मरण भी सुनाए। उन्होंने अविकानगर निदेशक डॉ. एसएमके नकवी को राजस्थान का कलाम बताया । प्रदर्शनी में जिले की सरकारी स्कूलों से आए विभाग संकाय केय छात्र छात्राओं ने तरह तरह के मॉडल प्रस्तुत किए । निबंध लिखे व क्विज तथा चर्चाओं में भाग लिया ।

राजस्थान पत्रिका
18/10/16

डिजाइन के ऊन उत्पाद करें तैयार

मालपुरा. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में केन्द्रीय ऊन विकास मण्डल जोधपुर के सहयोग से महिलाओं के लिए 'ऊन उत्पाद विनिर्माण व डिजाइन' विषय पर चल रहे प्रशिक्षण शिविर का समापन सोमवार को हुआ।

इसमें मुख्य अतिथि केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एम. एस. चौहान ने महिलाओं से अधिक से अधिक डिजाइन के ऊन उत्पाद तैयार करने को कहा। संस्थान निदेशक डॉ. एस. एम. के. नकवी ने कहा कि कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती जा रही है। सरकार भी महिला सशक्तीकरण पर जोर दे रही है। तकनीकी स्थानान्तरण एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. एल. आर. गुर्जर ने प्रशिक्षण की जानकारी दी। समापन पर प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को प्रमाण-पत्र दिए गए।

दैनिक भास्कर
18/10/16

दैनिक भास्कर

जिले की खबरें

अविकानगर में महिलाओं को त्रैमासिक प्रशिक्षण संपन्न

मालपुरा । केंद्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में बीते तीन माह से चल रहे महिलाओं के ऊन उत्पाद विनिर्माण ओर डिजाइनिंग का प्रशिक्षण शिविर सोमवार को समारोह पूर्वक संपन्न किया गया । समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एम एस चौहान ने इस अवसर परकहा कि इस परिवेश में सामाजिक व आर्थिक उत्थान में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थी महिलाओं से कहा कि वे यहां से प्राप्त प्रशिक्षण के आधार पर अच्छे डिजायन के ऊन उत्पाद तैयार ज्यादा लाभ कमाएं। संस्थान निदेशक डॉ. एसएमके नकवी ने इस अवसर पर कृषि व पशुपालन में महिलाओं की बढती भागीदारी के लिए महिलाओं में हुए कौशल विकास को मुख्य आधार बताया । सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए ।